

11.39 hrs.

## REPRESENTATION OF THE PEOPLE (AMENDMENT)

BILL, 2003 - contd.

Title: Further discussion on the Representation of the People (Amendment) Bill, 2003, moved by Shri P.C. Thomas on the 6.8.2003. (Bill passed)

MR. SPEAKER: Now, we can go to Item No. 26. Further consideration of the following motion moved by Shri P.C. Thomas on the 6<sup>th</sup> August, 2003, namely:-

"That the Bill further to amend the Representation of the People Act, 1951, as passed by Rajya Sabha, be taken into consideration. "

(Interruptions)

MR. SPEAKER: Dr. Raghuvansh Prasad was on his legs.

(Interruptions)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Mr. Speaker, Sir, this item should not be taken up now. I would ask for division. I would request not to take up this item now. I cannot help it. We are strongly opposed to this in principle. We shall ask for division certainly. Kindly excuse us.

Sir, kindly do not take it up today. (Interruptions)

**श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल)** : अध्यक्ष महोदय, यह माफियों को रोकने का सबसे अच्छा कानून बन रहा है, इसलिए इसे आज ही लिया जाए।(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I would request you not to ask for a division because that would take a long time.

(Interruptions)

**अध्यक्ष महोदय** : श्री रघुवंश प्रसाद सिंह पहले से ही खड़े थे। उनका भाण अधूरा है। उसे पूरा करने की इजाजत दे रहा हूं। रघुवंश जी, आप एक-दो मिनट में अपनी बात पूरी कीजिए।

**डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली)** : अध्यक्ष जी, हमने कहा था कि जो वह विधेयक आया है कि अब तक राज्य सभा के लिए जो चुनाव होता है और एमएलए वोट डालते हैं, उसमें इन्होंने संशोधन करके स्टेट और यूनियन टैरिटरीज की जगह भारत लिख दिया लेकिन संविधान में जहां पर राज्य सभा के लिए संविधान का प्रावधान है, उसमें कहा गया है कि यूनियन टैरिटरीज और स्टेट के रिप्रेजेंटेटिव्स से होकर राज्य सभा बनेगी लेकिन जो संविधान है, उसमें प्रावधान ज्यों का त्यों है। इस विधेयक में कहा गया कि स्टेट और यूनियन टैरिटरीज के बदले भारत लिख दिया गया। हमारा सवाल है कि यह असंवैधानिक है। संविधान के प्रावधानों के अनुकूल यह विधेयक नहीं है। संविधान में प्रावधान मौजूद है और विधेयक में उसको उलट दिया गया, जो उचित नहीं है। इसलिए असंवैधानिक है।

दूसरी बात यह है कि उसमें कहा गया है कि फ्री ओपन बैलट सिस्टम, ओपन वोटिंग होगी अर्थात् अभी तक सैक्रेट बैलट का प्रावधान था। अब सरकार कभी ओपन बैलट का प्रावधान ला रही है तो कभी प्रॉक्सी वोटिंग का प्रावधान ला रही है। अभी ओपन बैलट वोटिंग का प्रावधान है। इनका दावा है कि ओपन बैलट वोटिंग होने से वोट नहीं बिकेगा लेकिन इसमें हम लोगों का यह कहना है कि वह थोक भाव में बिकेगा, इंडिविजुअल नहीं बिकेगा। यह सरकार सारी मान्यताओं को खत्म कर रही है। कहा गया है कि गुप्त मतदान होगा। हर कोई अपनी आजादी से वोट डालेगा। हर्बैंड एंड वाइफ में भी गुप्त रिश्ता रहता है। उसे क्या यह सरकार कहेगी कि ओपन कर दिया जाए।(व्यवधान) उसी तरह से सैक्रेट बैलट का प्रावधान है। फिर कैसे गुप्त को ओपन करने का प्रावधान सरकार ला रही है? इसलिए इस पर हमारी घोर आपत्ति है। इससे हम लोग सहमत नहीं हैं कि यह विधेयक पारित हो।

SHRI SHIVRAJ V. PATIL (LATUR): Hon. Member Shri Somnath Chatterjee made a very good speech on this piece of legislation and he is very keen that this matter should be very carefully looked into. The House has co-operated with the Government to pass some other items which are very important and have to be completed within the time available. So, may I request you, Sir and the ruling parties also, that this Bill may not be put to the vote? It is because Shri Somnath Chatterjee has very clearly said that he would press for division in the House. So, it can be taken up on 21<sup>st</sup> if it is necessary.

**श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद)** : अध्यक्ष जी, यह बहुत गंभीर मामला है। यह बहुत महत्वपूर्ण बिल है। इसको आज ही पारित कराइए।(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shrimati Sushma Swaraj will speak now.

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुमा स्वराज)** : अध्यक्ष जी, जो भी बिजनैस आज की कार्यसूची में लगा है, वह बिजनैस वह है जिसके बारे में कार्य मंत्रणा समिति में सहमति बनी थी और आम सहमति नहीं सर्वसम्मति बनी थी। बाकायदा बिजनैस क्या होगा, यह पूछा गया था। एक-एक चीज बताई गई थी। उसके बाद तय हुआ और जिन चीजों पर सहमति नहीं बनी थी, (व्यवधान)

SHRI SHIVRAJ V. PATIL : I contradict this thing. First of all, what has happened in the Business Advisory

Committee, should not be discussed here. I have to contradict it. I am making a submission, Sir, that this business can be taken up on 21<sup>st</sup>.

**श्रीमती सुमा स्वराज** : अध्यक्ष जी, आप साक्षी हैं। उसकी अध्यक्षता आप कर रहे थे।(व्यवधान)

**श्री मुलायम सिंह यादव** : अध्यक्ष महोदय, हम अविश्वास के प्रस्ताव पर गंभीर होकर आए हैं और यह सदन अविश्वास के प्रस्ताव पर गंभीर नहीं है। इसलिए ये सारी चर्चाएं आज हो जानी चाहिए। दूसरा समय निकालकर, अविश्वास प्रस्ताव पर बहस होनी चाहिए।(व्यवधान)

**श्री शिवाजी माने (हिंगोली)** : यह क्या बात है?(व्यवधान)

**श्री मुलायम सिंह यादव** : क्यों? क्या आप इसे हम पर थोपेंगे ? क्यों मान्य नहीं है? (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I do not want to be seen to be obstructing it deliberately. It is a question of principle. We shall not participate in it.

**श्रीमती सुमा स्वराज** : पाटिल जी, आपने मुझे अपनी बात पूरी ही नहीं करने दी। आप अपना सबमिशन कर चुके। कम से कम मुझे सरकार की ओर से सबमिट तो करने दीजिए।

अध्यक्ष जी, आप उस कार्य मंत्रणा समिति की अध्यक्षता कर रहे थे। उस वक्त आईडीबीआई एक्ट और इंडियन टेलीग्राफ एक्ट, इन दो बिलों पर कहा गया था कि चर्चा चाहिए। इसलिए वे इस सूची में नहीं रखे गए हैं। जिन तमाम बिलों के ऊपर वहां सर्वसम्मति बनी कि उन्हें बिना चर्चा के पारित करा दिया जाएगा, सरकार केवल उन्हीं बिलों को लाई है। लेकिन यहां अगर ओपोजिशन में यूनिटी नहीं है, वह डिवाइडेड दिखता है, इसलिए कि चूंकि सोमनाथ जी ने इसको उठाया और शिवराज पाटिल जी को लगता है कि हाउस डिवाइड न हो, यह कोई तर्क नहीं हो सकता बिल को पारित न करवाने का। इसलिए मैं कहना चाहती हूं कि आईडीबीआई एक्ट और इंडियन टेलीग्राफ एमेंडमेंट एक्ट, 21 को लाने की बात हुई थी, तो उनको यहां नहीं रखा गया है। अगर इनको डिबीजन चाहिए तो सरकार उसके लिए तैयार है।(व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Hon. Minister, Division is not only in the Opposition, but even in the NDA there is a Division on this Bill. Of course, there is. (Interruptions)

SHRI SANAT KUMAR MANDAL (JOYNAGAR): We want Division. (Interruptions)

**श्रीमती सुमा स्वराज** : विधेयकों को पारित कराने के दो ही तरीके हैं या तो वॉयस वोट या फिर डिबीजन। अगर ये लोग डिबीजन चाहते हैं तो सरकार उसके लिए तैयार है।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, they spoke against this Bill. The BJD spoke against this Bill. What are you talking? Do not try to be too clever. Sir, I want to put it on record that the hon. Minister is not right in having a dig at the Opposition. On the floor of the House, BJD opposed this Bill, and AIADMK also opposed this Bill. You have forgotten all these things. You have got a very short memory. Why are you having a dig at the Opposition? The Opposition can look after itself. We do not want advice on this (Interruptions)

**श्रीमती सुमा स्वराज** : आप बीएसी की बात करें, आप भी उसमें थे।(व्यवधान) विपक्ष की नेता की तरफ से उन्होंने कहा था। अध्यक्ष महोदय, आप अध्यक्षता कर रहे थे। आप बताएं कि सरकार ने कहां रिट्रेक किया है। हम वही चीजें लेकर आए हैं, जो वहां तय हुई थीं।

**डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली)** : विपक्ष ने एग्री किया था, सबने एग्री किया था। Everybody agreed on it.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I am requesting you to go ahead. We shall decide on it. You kindly go ahead. (Interruptions)

**श्रीमती सुमा स्वराज** : अगर ये डिबीजन मांगते हैं तो वह किया जाए।(व्यवधान) जब भी ऐसी कोई बात होती है रघुवंश बाबू खड़े हो जाते हैं और बोलना शुरू कर देते हैं। सोमनाथ जी कहते हैं कि पास नहीं होने देंगे।(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please, I will have to go ahead.

**श्री शिवराज वी. पाटिल (लातूर)** : जो कुछ यहां कहा गया है, यह तथ्यों से हटकर है।

**डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा** : नहीं है।

**श्री शिवराज वि. पाटील** : हमारा मानना है कि इस बिल पर रजामंदी नहीं थी। इस पर डिसकशन नहीं होगा।

**अध्यक्ष महोदय** : डिसकशन नहीं होगा।

**श्री शिवराज वि. पाटील** : ये सारे मैटर्स को नहीं जानते। हम सहयोग कर रहे हैं और हमें इसके लिए एग्रीशिफ्ट भी नहीं कर रहे हैं। इस बिल के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई थी। अगर आप चर्चा करना चाहते हैं तो कर सकते हैं। Sir, this point may kindly be checked. (Interruptions)

**श्रीमती सुमा स्वराज** : शिवराज जी, क्या आपको पता नहीं कि क्या-क्या चीजें हाउस में रखी जाएंगी। मैंने एक-एक चीज के बारे में बताया था। हर बार यह चीज क्यों ले आते हैं।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Let it be taken like this. I do not mind.

श्री शिवराज वि. पाटील : इस बिल के बारे में चर्चा नहीं हुई थी। Sir, you were sitting there. I am not putting you in a difficult position to say whether this Bill was to be discussed in the House or not.

श्रीमती सुमा स्वराज : आप बीएसी में देखें। अध्यक्ष महोदय, आप स्वयं अध्यक्षता कर रहे थे। मैंने कहा था कि राज्य सभा का बिल है।

SHRI SHIVRAJ V. PATIL : We can be tactful and clever with you also. (*Interruptions*)

श्री सुमा स्वराज : शिवराज जी स्वयं उपस्थित थे। डिसकशन के बावजूद यह हो रहा है।

SHRI SHIVRAJ V. PATIL : It was not discussed in the Business Advisory Committee. We were not told about this. (*Interruptions*)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : हाउस में बहस हो गई, राज्य सभा में पास हो गया है। अब कांग्रेस पार्टी रिट्रेक कर रही है। (व्यवधान) हर बार ये लोग रिट्रेक कर जाते हैं। (व्यवधान)

श्रीमती सुमा स्वराज : आप बताएं कि आप उस समय थे या नहीं। प्रियरंजन दासमुंशी जी खड़े होकर कहें कि क्या यह तय हुआ था। सब लिखित में हैं। अंदर कुछ कहते हैं और बाहर आकर पलट जाते हैं। हाउस में आकर दूसरी बात कह रहे हैं तो कैसे होगा। (व्यवधान)

DR. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, they are backtracking now. वहां तय करके यहां रिट्रेक करके पीछे हटना चाहते हैं।

MR. SPEAKER: Anyway, the proceedings of the Business Advisory Committee cannot be discussed here. The matter is before the House. Therefore, the House has to decide. I can go ahead because the Bill is already listed; the people can go ahead with the voting. If they agree, the Bill will be passed, and if they do not agree, the Bill will not be passed.

So, I would ask Shri Thomas to give his reply.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW AND JUSTICE (SHRI P.C. THOMAS): Sir, the Bill was discussed and two issues had been taken up. One is regarding the domicile.

MR. SPEAKER: You have very little time to reply. You can give your reply in brief.

SHRI P.C. THOMAS : The other was regarding the open vote. So, I would request that the Bill be passed without further discussion.

MR. SPEAKER : The question is:

"That the Bill further to amend the Representation of the People Act, 1951, as passed by Rajya Sabha, be taken into consideration."

*The motion was adopted.*

*(Interruptions)*

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I do not want to obstruct the proceedings of the House, but our objection to the Bill is on principle, and we have said that.

Then, there are other hon. Members who have not been able to speak. So, it is not correct that only the Opposition has opposed it. There have been important hon. Members of the ruling NDA combination who have opposed this. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The House will now take up clause by clause consideration of the Bill.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, please give me half a minute to complete it. This is a matter of record (*Interruptions*) It may be that they are bound by the so-called whip. I am not bound by their whip. Therefore, please allow us not to participate in this debate. We would walk out in protest.

11.51 hrs.

(At this stage, Shri Somnath Chatterjee and some other hon. Members left the House.)

MR. SPEAKER: The House will now take up clause by clause consideration of the Bill.

Shri Pawan Kumar Bansal, are you moving your amendment?

Clause 2 Insertion of new section 33A

\*m07

**SHRI PAWAN KUMAR BANSAL (CHANDIGARH):** The point that I am submitting is that in the case of elections to Lok Sabha from the State of Sikkim, the provision is that the candidate must be an elector from constituency in Sikkim. *(Interruptions)* The point that I am submitting is that my amendment is to the effect that even in the case of elections to the Lok Sabha from the State of Sikkim, the requirement is that the candidate must be an elector from a parliamentary constituency in Sikkim. So, a similar provision should exist even in the case of elections to the Rajya Sabha. We have agreed to the provision. I had expected that the Government would come out with this amendment because if it is not so the position, the situation would be contradictory. In the case of Lok Sabha, the restriction would be that the candidate can be only from Sikkim whereas in the case of Rajya Sabha where we are introducing a new provision the position would be different. So, I leave it to the Government. I thought it was my duty to bring this to the notice of this House.

I beg to move:

Page 1, line 1,--

for lines 4 to 6, *substitute--*

"2. In the Representation of the People Act, 1951 (hereinafter referred to as the principal Act), for section 3, the following section shall be substituted,--

3. A person shall not be qualified to be chosen as a representative of any State or Urban Territory in the Council of States unless he is an elector for a Parliamentary Constituency in India.

Provided that in the case of the seat allotted to the State of Sikkim, the person shall be an elector for the Parliamentary Constituency for Sikkim. "

(1)

SHRI P.C. THOMAS: In view of the (Amendment) Bill which has been introduced, I would submit that this amendment may be withdrawn.

MR. SPEAKER: Shri Bansal, are you withdrawing the amendment?

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL : I have moved my amendment.

MR. SPEAKER: I shall now put the amendment number 1 moved by Shri Pawan Kumar Bansal to the vote of the House.

*The amendment was put and negatived.*

MR. SPEAKER: The question is:

"That clause 2 stand part of the Bill."

*The motion was adopted.*

*Clause 2 was added to the Bill.*

*Clauses 3 to 5 were added to the Bill.*

*Clause 1, the Enacting Formula and the Long Title were added to the Bill.*

SHRI P.C. THOMAS: I beg to move:

"That the Bill be passed."

MR. SPEAKER: The question is:

"That the Bill be passed."

*The motion was adopted.*

---